ब्लैक सोल्जर फ्लाई लार्वा और पोल्ट्री फीड

भारत विश्व के **शीर्ष पाँच चिकन और अंडा उत्पादकों** में से एक है, किंतु छोटे पोल्ट्री किसानों के समक्ष इस व्यवसाय में फीड की गुणवत्ता, मात्रा और लागत जैसी कई चुनौतियाँ विद्यमान हैं।

- **ब्लैक सोल्जर फ्लाई का** उच्च पोषण मूल्य इन चुनौतियों का समाधान करने के विकल्पों में से एक हो सकता है।

पोल्ट्री फीड से संबंधित चुनौतियाँ:

- पोल्ट्री उत्पादन की **पूरी लागत में फीड का हिस्सा 70% तक** होता है। इसके अलावा पोल्ट्री के लिये आपूर्ति किया जाने वाला पारंपरिक फीड, मुख्य रूप से अनाज और सोया की आपूर्ति **बढ़ती जनसंख्या की खाद्य मांगों के चलते प्रतिस्पर्द्धी बनी हुई है।**
- बढ़ती लागत के अलावा **पोल्ट्री क्षेत्र की स्थिरता हेतु फीड संसाधन उपलब्धता एक प्रमुख निर्धारक है।**
- ऐसा ही एक विकल्प **ब्रुअर्स जैसा सूखा अनाज़ है,** जो **ब्रूइंग उद्योग का एक उपोत्पाद** है।
  - हालाँकि प्रोटीन और **अमीनो एसिड से भरपूर इसमें उच्च नमी और फाइबर सामग्री शामिल है।**
- **देश के कुछ हिस्सों में गेहूँ का एक और आर्थिक रूप से व्यवहार्य विकल्प चावल की भूसी** है। इसमें गेहूँ के समान तुलनात्मक रूप से उपापचय योग्य ऊर्जा होती है।
  - हालाँकि अध्ययनों से पता चलता है कि चावल की भूसी को चारे में शामिल करने पर **मुर्गियों के अंडा देने की क्षमता में गिरावट आई है।**
- उदाहरण के लिये **ब्लैक सोल्जर फ्लाई (हर्मेटिया इलूसेंस) के लार्वा में उच्च पोषण क्षमता होती है, साथ ही इसे पालना आसान होता है।**

ब्लैक सोल्जर फ्लाई:

- **परिचय:**
  - ब्लैक सोल्जर फ्लाई **स्ट्रैटिओमाइडे** परिवार की एक मक्खी (डिप्टेरा) है जो आमतौर पर विश्व के कई हिस्सों में पाई जाती है।
  - वे हल्के सफेद रंग की होती हैं और **खाद्य अपशिष्ट से लेकर खाद तक विभिन्न प्रकार के कार्बनिक पदार्थों** को खाती हैं।
  - इनमें उच्च **अपशिष्ट-से-बायोमास रूपांतरण की दक्षता** होती है।
  - इसका मतलब है खुद को गर्म रखने के लिये बहुत अधिक ऊर्जा का उपयोग करने वाले गर्म खून वाले स्तनधारियों और पक्षियों के विपरीत **यह** मक्खी **भोजन को शरीर के द्रव्यमान में कुशलता से परिवर्तित कर सकती है।**

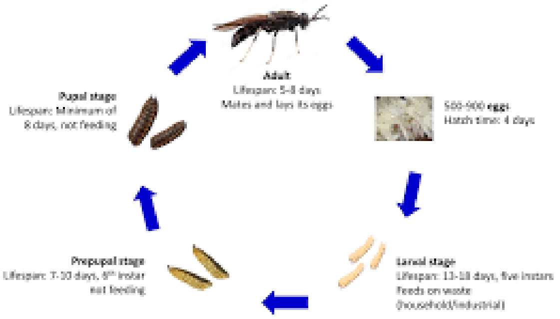

//

- **उपयोगिता:**
  - वे मुर्गी पालन से जुड़े लोगों के लिये **कम लागत, कम फुटप्रिंट, पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी** और पूरी तरह से प्राकृतिक फीड हो सकती हैं।
  - लार्वा **जैविक कचरे को उपयोगी विटामिन और खनिजों की एक विस्तृत शृंखला में परिवर्तित करने में सक्षम हैं।**
    - इसलिये वे पशुओं के चारे के लिये एक व्यवहार्य विकल्प हैं क्योंकि वे **कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, सोडियम, पोटेशियम, लोहा, जस्ता, तांबा, मैंगनीज़** और अन्य खनिजों से भरपूर हैं।

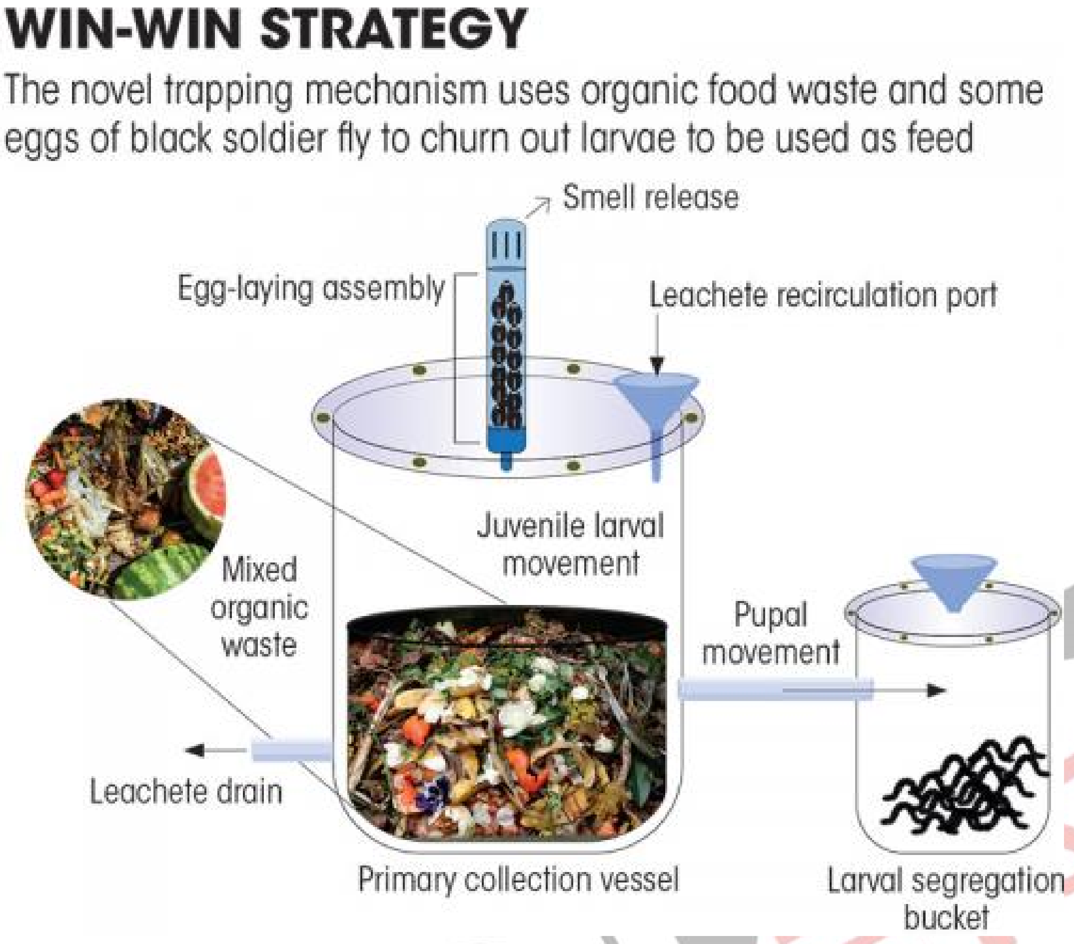

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नम्निलखिति कथनों पर वचािर कीजयि:

1- कृषि मृदाएँ पर्यावरण में नाइट्रोजन के ऑक्साइड नरि्मुक्त करती हैं।
2- मवेशी पर्यावरण में अमोनयाि नरि्मुक्त करते हैं।
3- कुक्कुट उद्योग पर्यावरण में अभकि्रयिाशील नाइट्रोजन यौगकि नरि्मुक्त करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

स्रोत: डाउन टू अरथ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/black-soldier-fly-larvae-and-poultry-feed